No. of Printed Pages : 4

BMAF-001

BDP/BCA/BTS

सत्रांत परीक्षा

00785 जून, 2018

BMAF-001 : मैथिली में आधार पाठ्यक्रम

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

नोट : सभ प्रश्नक उत्तर देब अनिवार्य अछि ।

1. शुद्ध शब्दमे (√) चिह्न लगाउ : 5

   (क) श्रींगार ( ) शृंगार ( )

   (ख) रबड़ ( ) रबर ( )

   (ग) संतोस ( ) संतोष ( )

   (घ) पवीत्र ( ) पवित्र ( )

   (ङ) स्वर्ग ( ) श्वर्ग ( )

2. निम्नलिखित शब्दक तीन-तीन टा पर्याय लिखू : 5

   (क) सूर्य

   (ख) आकाश

   (ग) चन्द्रमा

   (घ) धरती

   (ङ) पानि

3. निम्नलिखित मोहाबराक अर्थ स्पष्ट करैत वाक्य बनाउ : 5

(क) अपटी खेतमे प्राण जायब

(ख) कान ठाढ़ होयब

(ग) टिटिआइत रहब

(घ) कपार फूटब

(ङ) औंठा छाप होयब

4. निम्नलिखित पावनि कोन मासमे मनाओल जाइत अछि ? 5

(क) जूड़शीतल – चैत/वैशाख

(ख) छठि – आसिन/कातिक

(ग) वसंत पंचमी – माघ/फागुन

(घ) वटसावित्री – वैशाख/जेठ

(ङ) विजयादशमी – कातिक/आसिन

5. शब्दकोशमे शब्द तकबाक प्रक्रियाकेँ 50 शब्दमे बुझाउ : 5

6. कोनो *एक* अवतरण पर 150 शब्दमे सप्रसंग व्याख्या लिखू : 7

(क) उपदेशक तोँ सबसँ महान ।
चिन्ता नहि, कतबो उन्नतथल, खसि कते बेरि चढ़ि बनह सफल ।
सबतरि हम देखलहुँ तोहर सन, उद्देश्यक पक्का क्योन आन ।।
सङ्गरमे हारि एकैस बेर, तैमूरलङ्ग बुझि कर्मफेर ।
मरबाक हेतु उद्यत तोरे शिक्षासँ विजयी छथि प्रमाण ।।

क्यो करथि जाहि दिशिसँ फराक, तेम्हरहि चलबा केर
करह ताक ।

सिखबह जनु केहनो विघ्न-जलधि साहस-जहाजसँ करू
प्रयाण ।।

अवसान समय बुझि बना पाँखि, उड़ि चलह, न ककरउ
लगा आँखि ।

सिखलहुँ हम तोहर रीति-नीति शक्तिक ह्रासेँ नहि बनु
मलान ।।

कनिको दबितहिँ तोँ काटि-काटि, शिक्षा दै छह जनु
डाँटि-डाँटि ।

केहनो पहाड़ यदि देथि दुःख, नहि सही, रहीवा
जायप्राण ।।

अनुपल तोँ चंचल करह भ्रमण, संग्रह करैत किछु अपन
अशन ।

दीक्षा जनु दै छह बनि निरसल, उद्योग करह बनि
सावधान ।।

(ख) करुणागार उदार प्राणपति, वन देल दोष लागय रे ।
देवर-दोष विधिक हमकी कहु, जनि घर धर्म्म न न्याय रे ।।
हमरहि हेतु दशानन मारल, कपिगण संग लगायरे ।
तखन पतिव्रत हमर देखल सम, अनल मे गेलहुँ समाय रे
नैहर जँ मिथिला चरिन जायब, कहत बाप की माय रे ।
पुरुष-परशमणि-कर हम सोपल, अयली की नाम हँसाय रे ।।

सिरिस सुमन बरु होय अशनि सन, अशनि तेहन मय
जाय रे ।
से बरु होय, होथि नहिअ करुण, अहँ काँ बड़का माय रे ।।
की कहब कहय योगि नहि रहलहुँ, मेलहुँ सबहिकाँ भार रे ।
कतहु रहब जानकि जन कहते, श्री रघुनन्दन-दार रे ।।

7. 'पीअर आँकुर' निबन्धक सारांश लिखू । 7

8. कोनो *एक* शीर्षककेँ तीन सय शब्दमे पल्लवित करू : 7

(क) सुधांशु 'शेखर' चौधरी

(ख) सुमनजी

(ग) चन्दा झा

9. कोनो *एक* विषय पर लिखू : 4

(क) मिथिलाक उत्सव

(ख) मिथिलाक खानपान

(ग) भारतक ललित कलाक अन्तर्गत 'चित्रकला'